अध्यात्म से समाप्त होंगी सामाजिक कुरीतियां
ब्रह्माकुमारी संगठन में समाज सेवा प्रभाग सम्मेलन का शुभारंभ

माउंट आबू, 14 जून। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए अध्यात्म सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन है। भारतीय संस्कृति ही दुनिया में त्याग, बलिदान और तपस्या द्वारा श्रेष्ठ समाज का निर्माण करने में सक्षम है। वे शनिवार को ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के उदघाटन सत्र में देश के विभिन्न हिस्सों से आए उपस्थित सहभागियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्राचीन चिंतकों ने भारत की संस्कृति को विश्व में फैलाने का जो भगीरथ कार्य किया था आज उस परिकल्पना को फिर से प्रगतिशील बनाए रखने के लिए समाजसेवकों को आगे आना होगा।

समाज सेवा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगिनी संतोष बहन ने कहा कि सच्चा समाज सेवक वही है जो मानसिक स्तर पर भी समाजसेवा के नियमों से समझौता नहीं करे। समाज परिवर्तन के लिए मनुष्यों के हृदय परिवर्तन की जरूरत है जिससे लोगों में परस्पर वैमन्सय की भावनाओं को भुलाकर प्यार, सौहार्द से मिलकर समाज को उन्नति के पथ पर ले जाना होगा।

मध्यप्रदेश खंडवा सांसद नंद कुमार चौहान ने कहा कि मानवीय अंतद्वंद्व से ही समाज का पतन हुआ है। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा समाज उत्थान का जो कार्य किया जा रहा है वह समूचे विश्व के आगे खुली किताब की तरह है। समाजोत्थान के पहले स्वोत्थान पर ही ब्रह्माकुमारी संगठन में जोर दिया जाता है। राजयोग एक ऐसी औषधि है जो मन की दूषित भावनाओं को समाप्त कर देता है।

नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स उपाध्यक्ष प्रकाश पोडवाल ने कहा कि वर्तमान परिवेश में मनुष्य ने भौतिकता के आधार पर बहुत प्रगति की है किंतु मूल्यों के मामले में बहुत पिछड़ रहा है। समाजसेवकों को गहन चिंतन करने और दूसरों के कल्याण के लिए सदैव चिंतित रहने की जरूरत है।

पंजाब, हरियाणा उच्च न्यायालय पूर्व जस्टिस ए.एन. जिंदल ने कहा कि लोक कल्याण और देश के विकास के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को मतभेदों को भुलाकर एक मत होने की समय की मांग है तभी हम भारत को सोने की चिड़िया बनाने में कामयाब हो सकेंगे। सुनाम से आए रोटरी प्रांतपाल वाई.पी. दास ने कहा कि समाज को मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए सर्वप्रथम स्वयं को उच्चम विचारों के आयाम देने होंगे। मानवीय मस्तिष्क में जितने अधिक शान्तिदायक विचार उत्पन्न होंगे उससे उतना ही अधिक मानसिक शक्ति का विकास होता है। आध्यात्म से ही विज्ञान का भी सदुपयोग होगा और वैज्ञानिक गतिविधियां समाज को मूल्यनिष्ठ बनाने में सहायक सिद्व होंगी। प्रभाग उपाध्यक्ष बी. के. अमीर चंद ने कहा कि समर्पणमयता की भावना की शिक्षा को जीवन में अंगीकृत करने से जन कल्याण की भावनाओं को बल मिलेगा। प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बी. के. प्रेम सिंह,मुख्यालय संयोजक बी. के. अवतार, अधिशासी सदस्य बी. के सीता बहन आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

14एमएबी1,2,3माउंट आबू। समाज सेवा प्रभा सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते वक्तागण।

चरित्र का उत्थान करना महान सेवा
ब्रह्माकुमारी संगठन में समाज सेवा प्रभाग सम्मेलन का खुला सत्र

माउंट आबू, 15 जून। नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स उपाध्यक्ष प्रकाश पोडवाल ने कहा कि किसी मनुष्य के चरित्र का उत्थान करना अपने आप में महान सेवा है। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर में समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के खुले सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन संसार को बेहतर बनाने में व्यापक स्तर पर अध्यात्मिक कार्य्रकमों का आयोजन करते हुए मानव जीवन को सुगंधित बनाने में तत्पर है। लंबे समय से यह कार्य सार्थक होकर अनेक लोगों की तनावमय जीवन को नई रोशनी दे रहा है। यह समाज सेवा सराहनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी है।समाज सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगिनी संतोष बहन ने कहा कि मनुष्य के अंदर छिपे देवत्व को फिर से जागृत करने की सेवा में निरंतर प्रयासरत रहना किसी साधना से कम नहीं है। समाज सेवा में बाधक बनने वाले कड़े ते कड़े संस्कारों को राजयोग के जरिए परिवर्तन कर सुधारा जा सकता है। समाज सेवा प्रभाग उपाध्यक्ष बी. के. अमीरचंद ने कहा कि बेहतर विश्व की रचना भाषणों से नहीं बल्कि समत्व और ममत्व के आधार से होती है। समाज सेवा को अमलीजामा पहनाने से पूर्व स्वयं के अससित्व को पहचानना होगा।रोटरी प्रांतपाल डॉ. एस. पी. सिंघला ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना बिना अध्यात्म के जागृत नहीं हो सकती है और इस कार्य में कथनी करनी की भूमिका निभाने में ब्रह्माकुमार भाई-बहनें समाज के समक्ष उदाहरणमूर्त हैं।कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक बी. के. प्रेम सिंह, अमरावती क्षेत्रीय संयोजक बी. के. सीता बहन आदि ने भी विचार व्यक्त किए। 15एमएबी1,2माउंट आबू। समाजसेवा सम्मेलन के खुले सत्र को संबोधित करते नेपाल चैंबर्स ऑफ कामर्स उपाध्यक्ष प्रकाश पोडवाल व उपस्थित समाजसेवक।